रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 67] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 27, 2017/चैत्र 6, 1939
No. 67] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 27, 2017/CHAITRA 6, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(विदेश व्यापार महानिदेशालय)
सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2017

सं. 63/2015–2020

विषय : प्रक्रिया पुस्तक, 2015–2020 के पैरा 2.54 में संशोधन।

फा. सं. 01/89/180/53/एएम–01/पीसी–2.(ख)–विदेश व्यापार नीति, (2015–2020) के पैरा 2.04 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्द्वारा निम्नानुसार (i) अखंडित धात्विक अपशिष्ट के आयात के लिए नामित पत्तनों के नाम का विवरण देते हुए प्रक्रिया पुस्तक, 2015–2020 के पैरा 2.54 (घ) (iv) में संशोधन करते हैं; और (ii) दिनांक 06.10.2016 की सार्वजनिक सूचना सं० 38 (2015–20) के द्वारा अधिसूचित, पैरा 2.54 (घ) (v) के प्रावधान का अधिक्रमण करते हुए ऐसे आयातों के लिए उनकी वैधता बढ़ाते हैं:

मौजूदा पैरा	संशोधित पैरा
अपशिष्ट का आयात केवल निम्नलिखित नामित पत्तनों के माध्यम से किया जाएगा तथा ईओयू, एसईजेड के मामले में भी किसी छूट की अनुमति नहीं होगी:– 1. चेन्नई, 2. कोचीन, 3. एन्नोर 4. जेएनपीटी, 5. कांडला, 6. मुरगांव 7. मुम्बई 8. न्यू मंगलोर, 9. पारादीप, 10. तुतीकोरिन, 11. विशाखापत्तनम, 12. आईसीडी लोनी, गाजियाबाद, 13. पिपावा, 14. मुन्द्रा, 15. कोलकाता, 16. आईसीडी, लुधियाना, 17. आईसीडी दादरी (ग्रेटर नोएडा), 18. आईसीडी नागपुर, 19. आईसीडी जोधपुर, 20. आईसीडी जयपुर, 21. आईसीडी उदयपुर, 22. सीएफएस मुलुंड, 23. आईसीडी कानपुर, 24. आईसीडी अहमदाबाद, 25. आईसीडी पीतमपुर और 26. आईसीडी मालनपुर।	अपशिष्ट का आयात केवल निम्नलिखित नामित पत्तनों के माध्यम से किया जाएगा तथा ईओयू, एसईजेड के मामले में भी किसी छूट की अनुमति नहीं होगी:– 1. चेन्नई, 2. कोचीन, 3. एन्नोर, 4. जेएनपीटी, 5. कांडला, 6. मुरगांव, 7. मुम्बई, 8. न्यू मंगलोर, 9. पारादीप, 10. तुतीकोरिन, 11 विशाखापत्तनम, 12. पिपावा, 13. मुन्द्रा और 14. कोलकाता।

(ii) मौजूदा नामित समुद्री पत्तनों नामतः चेन्नई, कोचीन, एन्नोर, जेएनपीटी, कांडला, मुरगांव, मुम्बई, न्यू मंगलोर, पारादीप, तुतीकोरिन, विशाखापत्तनम, पिपावा, मुन्द्रा और कोलकाता को 31 मार्च, 2018 तक अखंडित अपशिष्ट का आयात करने की अनुमति होगी और उस समय तक उन्हें रेडिएशन पोर्टल मानीटर तथा कंटेनर स्कैनर संस्थापित और प्रचालित करना होगा। अखंडित धात्विक अपशिष्ट के आयात के प्रयोजन के लिए उन समुद्री पत्तनों की मान्यता दिनांक 01.04.2018 से रद्द कर दी जाएगी जो इस समय–सीमा का पालन नहीं करेंगे।

1. **इस सार्वजनिक सूचना का प्रभावः**– अखंडित धात्विक अपशिष्ट के आयात के लिए नामित पत्तनों की सूची दर्शाने के लिए प्रक्रिया पुस्तक, 2015–2020 के पैरा 2.54 (घ) (पअ) को संशोधित किया गया है तथा इन पत्तनों में रेडिएशन पोर्टल मानीटर तथा कंटेनर स्कैनर के संस्थापन और प्रचालन के लिए अवधि 31.03.2018 तक बढ़ायी जाती है।

ए. के. भल्ला, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 27th March, 2017

NO. 63/2015-2020

Subject: Amendment in para 2.54 of the Handbook of Procedures, 2015-2020

No. 01/89/180/53/AM-01/PC-2 (B).—In exercise of powers conferred under paragraph 2.04 of the Foreign Trade Policy, (2015-2020), the Director General of Foreign Trade hereby amends (i) para 2.54 (d) (iv) of the Handbook of Procedures, 2015-2020 detailing the names of the designated ports for import of un- shredded metallic scrap; and (ii) extends their validity for such imports, in supersession of the provision in para 2.54(d) (v), notified vide Public Notice No 38(2015-20) dated 06/10/2016 as under:

Existing Paragrapah	**Revised Paragraph**
Import of scrap would take place only through following designated ports and no exceptions would be allowed even in case of EOUs, SEZs:- 1. Chennai, 2. Cochin, 3. Ennore, 4. JNPT, 5. Kandla, 6. Mormugao, 7. Mumbai, 8. New Mangalore, 9. Paradip, 10. Tuticorin, 11.Vishakhapatnam, 12. ICD Loni, Ghaziabad, 13. Pipava, 14. Mundra, 15. Kolkata, 16. ICD Ludhiana, 17. ICD Dadri (Greater Noida), 18. ICD Nagpur, 19. ICD Jodhpur, 20. ICD Jaipur, 21. ICD Udaipur, 22. CFS Mulund, 23. ICD Kanpur, 24. ICD Ahmedabad, 25. ICD Pitampur and 26. ICD Malanpur.	Import of scrap would take place only through following designated ports and no exceptions would be allowed even in case of EOUs, SEZs:- 1. Chennai, 2. Cochin, 3. Ennore, 4. JNPT, 5. Kandla, 6. Mormugao, 7. Mumbai, 8. New Mangalore, 9. Paradip, 10. Tuticorin, 11.Vishakhapatnam, 12. Pipava, 13. Mundra and 14. Kolkata.

(ii). The existing designated sea ports namely Chennai, Cochin, Ennore, JNPT, Kandla, Mormugao, Mumbai, New Mangalore, Paradip, Tuticorin, Vishakhapatnam, Pipava, Mundra and Kolkata will be further allowed to import un-shredded scrap till 31st March, 2018 by which time they are required to install and operationalise Radiation Portal Monitors and Container Scanner. Such sea ports which fail to meet the deadline will be derecognized for the purpose of import of un-shredded metallic scrap w.e.f. 1.4.2018.

2. **Effect of this Public Notice:** Para 2.54(d)(iv) of the Handbook of Procedures, 2015-2020 has been amended to reflect the list of designated ports for imports of un-shredded metallic scrap and the period for installation and operationalisation of Radiation Portal Monitors and Container Scanner in these ports is extended uptil 31.3.2018 .

A. K. BHALLA, Director General of Foreign Trade

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2017.03.29 10:58:12 +05'30'